आकाशवाणी केन्द्र शिमला

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड को राज्य में बिजली क्षति का सही आकलन करने और बिजली चोरी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। वे आज शिमला में राज्य विद्युत बोर्ड और ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने वाणिज्यिक, औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं की फीडर मैपिंग करने के भी निर्देश दिए ताकि सभी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बिजली बोर्ड के अन्य निगमों में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को 30 अप्रैल तक विभाग चुनने का विकल्प दिया जाए। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि इसका कर्मचारियों की पदोन्नति और अन्य लाभों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वे वर्तमान सेवा शर्तों के अंतर्गत ही कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य बिजली बोर्ड की कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने के दृष्टिगत टी–मेट्स और लाइनमैन के 2 हज़ार पद भरेगी। मुख्यमंत्री ने 4 सौ 50 मेगावाट शोंग–टोंग जल विद्युत परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की।

नरेश चौहान

मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा मैडिकल डिवाइस पार्क को लेकर उठाए गए सवालों को भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। शिमला में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ये प्रोजैक्ट राज्य सरकार खुद बना रही है और केंद्र से मिले 25 करोड़ रूपये ब्याज सहित वापिस किए जा चुके हैं। नरेश चौहान ने आरोप लगाया कि मैडिकल डिवाइस पार्क में केंद्र ने हिमाचल के हितों का ध्यान नहीं रखा था। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीति से प्रेरित बयानबाज़ी न कर प्रदेश हित में बात करनी चाहिए।

सत्ती

पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक सतपाल सत्ती ने कहा है कि हिमाचल दौरे के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा कांग्रेस सरकार पर लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित हैं। शिमला से जारी एक बयान में उन्होंने कहा है कि जे.पी.नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए हिमाचल को मैडिकल डिवाइस पार्क के लिए सौ करोड़ रूपये की योजना स्वीकृत करवाई थी और इसमें से 25 करोड़ जारी भी कर दिए गए थे। सतपाल सत्ती ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने ये कहते हुए ये पैसा वापिस कर दिया कि हमसे ये नहीं बन पाएगा। उन्होंने कहा कि बल्क ड्रग पार्क के लिए केंद्र सरकार ने एक हज़ार करोड़ रूपये की योजना दी और इसमें से 2 सौ 25 करोड़ जारी भी कर दिए गए हैं, लेकिन

अभी तक राज्य सरकार इस पैसे का उपयोग नहीं कर पाई है। सतपाल सत्ती ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार को विकास के साथ कोई सरोकार नहीं है और मुख्यमंत्री कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है।

आग रोकथाम

गर्मियों के मौसम में प्रदेश के वनों को आग से बचाने के लिए वन विभाग ने लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ सभी तैयारियां कर ली हैं। वन विभाग में शिमला वृत के मुख्य अरण्यपाल के. थिरूमल ने आज शिमला में एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से लोगों से जंगलों की आग की रोकथाम में सहयोग की अपील के साथ–साथ वनों में आग न लगाने का आग्रह भी किया है। बाईट–के.थिरूमल–

के.थिरूमल ने कहा कि अभी तक प्रदेश में 89 जंगलों की आग के मामले सामने आए हैं। के. थिरूमल ने बताया कि पंचायत स्तर पर लोगों को वन विभाग के गार्ड, रेंजर और डी.एफ.ओ. वनों की आग से होने वाले नुकसान को लेकर जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष प्रदेश में 2 हज़ार 5 सौ आग लगने के मामले सामने आए थे, जिसमें करोड़ों रूपये की वन संपदा को नुकसान हुआ था।

मौसम

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते आज प्रदेश की ऊंची चोटियों पर रूक–रूक कर हल्का हिमपात जबकि अन्य भागों में ओलावृष्टि हो रही है। हिमपात से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि ओलावृष्टि से सेब व गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के 7 जिलों सोलन, शिमला, बिलासपुर, हमीरपुर, सिरमौर, उना और मंडी में वर्षा और अंधड़ का क्रम जारी रहने की संभावना जताई है।

————————————————————